



अंक 7  
सितंबर 2023

# दर्पणम्



चैट जीपीटी विशेषांक

कृ A

त्रि R

म T

बु I

द्धि F

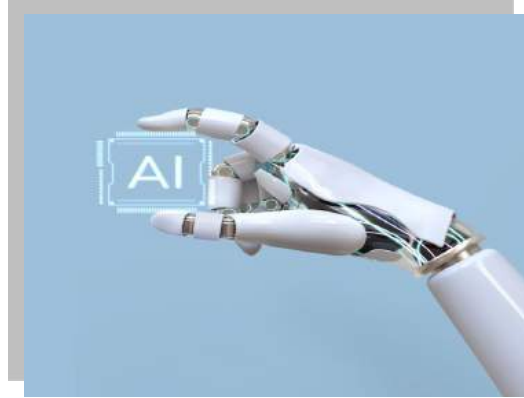
म I

त्ता C

I

A

L



chatGPT



INTELLIGENCE

special issue

ee

महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय  
बीएसएनएल पत्तनंतिट्टा बीए तिरुवल्ला  
O/o GENERAL MANAGER TELECOM  
BSNL PATHANAMTHITTA BA, THIRUVALLA  
केरल परिमंडल KERALA CIRCLE



Kum: Ameya Jayan  
D/o Shri Jayan, CSC, TLA

## Broadband Service for Rural Areas



**Connect with  
rest of the world**



**Extremely affordable  
plans**

Affordable plans starting at just  
Rs 14\* per day (\*Rs 399 per month),  
Unlimited Free calls & Free high  
speed data



**Use in all walks of Life**

Education, Employment, Business,  
Health, Entertainment (Live TV & OTT  
Apps), e-Services & many more)

**Book Now**

[www.bookmyfiber.bsnl.co.in](http://www.bookmyfiber.bsnl.co.in)

Call for more details 24 x 7

Toll Free: 18004444

[www.bsnl.co.in](http://www.bsnl.co.in) | My BSNL App | [Download](#) | [Follow us on](#) [Twitter](#) [Instagram](#) [Facebook](#) and like us on [Facebook](#)



## Join hands with BSNL as BharatNet UDYAMI



[www.bsnl.co.in](http://www.bsnl.co.in) | [Download](#) | [My BSNL App](#) | [Follow us on](#) [Twitter](#) [Instagram](#) [Facebook](#) and like us on [Facebook](#)



**BUSINESS UDYAMI**



**संरक्षक**

श्री साजु जॉर्ज के., आईटीएस  
Shri. Saju George K, ITS  
प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार PGMT

**उप संरक्षक**

श्री पी टी विवेकानंदन  
Shri. P.T.Vivekanandan  
उमप्र (मुख्यालय) DGM (HQ)

**उप संरक्षक**

श्री रोबिन कुरियन जोसफ  
Shri. Robin Kurien Joseph  
उमप्र (एनडब्ल्यू) DGM (NW)  
श्री अनिल एम एस  
Shri. Anil M.S.  
उमप्र (विपणन) DGM (Mktg)

**अध्यक्ष**

श्री. जिजो सी अब्राहम  
Shri. Jijo C Abraham  
सहायक महाप्रबंधक (प्रशां & विधिक)  
Asst. General Manager (Admn & Leg)

**जसंअ PRO**

श्रीमती अनिला पी.के. Smt. Anila P.K.

**संपादक**

श्रीमती जॉमोल के जैकब, कर्हिअ  
Smt. Jomol K Jacob, JHT

**तकनीकी सहायक**

श्री. लिटो के तोमस, समप्र (प्र.यो.)  
Shri. Litto K Thomas, AGM (OP)  
श्री. नियास बी. क. दू. अ, (कंप्यूटर)  
Niyas B, JTO (comp)

रा.भ.OL- section- Tele Ph. 0469-2741500  
e mail - o1ptabsnl@gmail.com

# ദർപ്പണം दर्पणम DARPANAM

ई- गृहपत्रिका E- House Journal  
पत्तनतिट्टाका.क्षे. Pathanamthitta BA सितंबर  
SEPTEMBER 2023

\*\*\*\*\*

**इस अंक में**

पृ. सं.

1. संपादकीय .....	4
2. संदेश .....	5-6
3. रा.भा. कार्यावलोकन .....	7-8
4. नराकास तिरुवुल्ला की अप्रैल 2023 बैठक .....	9
5. मु मप्रदू. संदर्शन .....	10
5. स्वतंत्रता दिवस 2023 की झलकियाँ .....	11
6. सेवानिवृत्ति .....	9
7. विपणन की झलकियाँ .....	10
8. चैट जीपीटी .....	11
9. सेवानिवृत्ति .....	12
10. विपणन की कुछ झलक .....	13-14
11. चैट जीपीटी .....	15
12. बधाइयाँ- चंद्रयान .....	16
13. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चुनौतियाँ .....	17-18
14. हिंदी फखवाड़ा समारोह 2023 .....	19-20
15. कफन .....	21-22
16. Kaphan summary .....	23
17. Business PTA BA glimpses .....	23
18. बाल चित्रकार .....	24
19. निर्मित बुद्धिमत्ता की चुनौतियाँ .....	24-25
20. Impact of Chat GPT .....	26
21. BSNL Day celebrations glimpses .....	27
22. वार्तालाप .....	28
23. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चुनौतियाँ .....	29
24. Desk Chronicles .....	30-31
25. Rajasthan .....	32
26. विपणन पुरस्कार .....	33
27. पत्तनतिट्टा का.क्षे. कुछ झलकियाँ .....	34
28. प्रौद्योगिकी के लाभ और हानि .....	35-36
29. നവംഗനത്തണൽ-കവിത .....	37
30. വിണ്ടും മൗനം - കഥ .....	38-40
31. ओणम Onam .....	41
32. പാഞ്ചാലിമേട് .....	42





## संपादकीय . . . . .

प्यारे सहकर्मियो, सादर प्रणाम।

गृहपत्रिका 'ई- 'दर्पणम' ' के सातवां अंक प्रकाशित हो रहा है। पत्तनंतिट्टा का.क्षे के राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक के निर्णयानुसार दर्पणम के सितंबर 2023 अंक चैट जीपीटी विशेषांक के रूप में जारी की जाती है। बीएसएनएल पत्तनंतिट्टा कारोबार क्षेत्र की राजभाषा गृहपत्रिका 'ई- 'दर्पणम' ' के सातवां अंक प्रकाशित हो रहा है। पत्तनंतिट्टा का.क्षे के राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक के निर्णयानुसार दर्पणम के सितंबर 2023 अंक चैट जीपीटी विशेषांक के रूप में जारी की जाती है। हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा समारोह के इस माहौल में राजभाषा हिंदी के लिए चैट जीपीटी और गूगल ट्रांसलेशन का उपयोग करके पत्रिका को तैयार करने में मदद किए आप सभी को कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ। गूगल ट्रांसलेशन –फाइलिंग में सहायक बन जाएगा। एक कदम आप सभी करने की कोशिश करिए। पत्र शीर्ष , रबड की मोहरें, सूचना पट्ट, नाम पट्ट, परिपत्र, आदेस आदि द्विभाषी में जारी करने का धारा 3(3) का अनुपालन कीजिए। ई-पत्रिका में प्रकाशित करने के लिए चित्र व लेखन सामग्रियाँ दिए सभी कर्मचारियों को इस अवसर पर बधाइयाँ देती हूँ। धन्यवाद। शुभकामनाओं के साथ,

आपका

भवदीया,



तिरुवल्ला

30.09.2023

जोमोल के.जैकब, कहिंअ

मप्रदूका, तिरुवल्ला



BSNL FTTH advertisement featuring a woman and a child looking at a laptop. Text includes: 'ഇതാ കിടിലൻ', 'BSNL FTTH', 'FREE', '30 mbps മുതൽ 300 mbps', 'മൊത്തം വാടക 399 രൂപ മുതൽ', 'BSNL KERALA TELECOM CIRCLE', 'www.bsnl.co.in', 'BSNL KERALA', 'FOLLOW US ON', 'YouTube', 'Facebook', 'Twitter', 'Instagram'.

“राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।” - महात्मागांधी

## संरक्षक की कलम से

श्री. साजु जॉर्ज के, आईटीएस  
Shri.Saju George K, ITS  
प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार  
Principal General Manger  
पत्तनंतिट्टा का.क्षे., Pathanamthitta BA

भारत संचार निगम लिमिटेड  
**Bharat sanchar Nigam Limited**  
(भारत सरकार का उद्यम A Govt. Of India Enterprise)



प्यारे साथियो,

मैं बड़ी खुशी के साथ हमारे पत्तनंतिट्टा बीए की ई-गृहपत्रिका 'दर्पणम' के सातवाँ अंक का लोकार्पण किया जा रहा हूँ। तकनोलजी के विकास को पहचानकर , इसका सही ढंग से अपनाना मानव की प्रगति का आधार है। हम बीएसएनएल के कर्मचारियों भी ऐसी नई जानकारीयों से परिचित सभी को शुभकामनाएँ देते हुए, जानकारीयों से परिचित होकर

उपयोग करना है। चैट जीपीटी, गूगल ट्रांसलेशन आदि भाषाई क्षेत्र की नई उपलब्धियाँ हैं। इसका सदुपयोग, कमियाँ, चुनौतियाँ इसे मिलाकर हमारी गृहपत्रिका 'दर्पणम' के इस अंक विशेषांक के रूप में तैयार की गई है। चैट जीपीटी, गूगल ट्रांसलेशन आदि के द्वारा तैयार किया गया लेख शामिल है। पत्तनंतिट्टा का.क्षे. की सारी गतिविधियाँ अच्छी तरह हो रही हैं। हिंदी पखवाड़ा समारोह कर्मचारियों की प्रतियोगिताँ आदि के साथ हिंदी पखवाड़ा मनाया गया।

बीएसएनएल गठन दिवस अक्टूबर 1 के सिलसिले बच्चों के लिए पेइंडिंग कोंपटीशन ए हिंदी प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं। पत्तनंतिट्टा जिले के विभिन्न स्थानों से बच्चे भाग लिए। बीएसएनएल को यह बहुत खुशी का वक्त था।

भारत में विकसित 4जी- ,गाँव-गाँवों में पहुँचाने वाला नेट कनेक्शन का 'भारत उद्यमी' परियोजना के सहारे हर जगह इंटरनेट उपलब्ध करवाने का अभियान और केबल लैंडलाइन को फाइबर के रूप में बदलने की कार्रवाई प्रगति पर है। सभी विकास कार्यों में आपके सहयोग की कामना करते हुए,

आपका शुभेच्छु ,



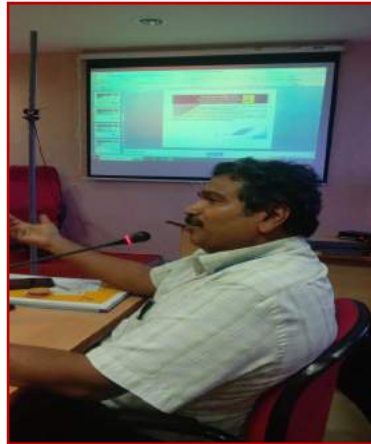
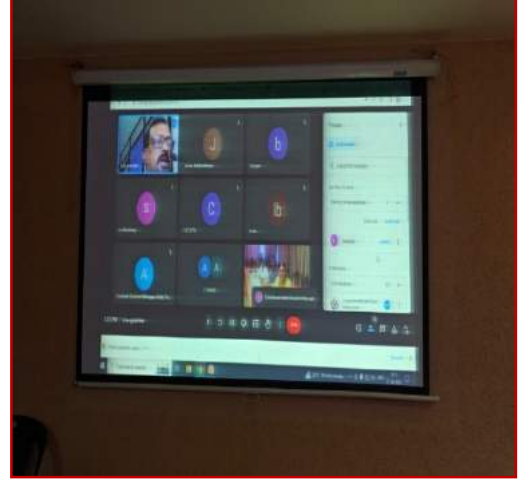
श्री.साजुजोर्ज के., आईटीएस  
Shri. Saju George K, ITS  
प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार PGMT  
पत्तनंतिट्टा का.क्षे. PTA BA& CO(CFA), TVM

तिरुवल्ला  
30.09.2023

## राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन वार्षिक अवलोकन - पत्तनंतिट्टा बीए

तिरुवल्ला कारोबार क्षेत्र में गृहमंत्रालय राजभाषा विभाग से प्राप्त वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार सभी मदों का पालन किया जा रहा है। पत्राचार एवं टिप्पण आलेखन के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर चुका है। कंप्यूटरों में द्विभाषी सुविधा उपलब्ध है। राजभाषा कार्यान्वयन कार्यों में वृद्धि लाने हेतु आज का शब्द प्रदर्शित करना, राजभाषा हेल्पडेस्क, हिंदीदोस्त सहायक पुस्तिका, गृहपत्रिका आदि इंटरनेट में प्रदर्शित किया गया है। हर तिमाही में हिंदी कार्यशाला आयोजित की जा रही है। निधि की अपर्याप्तता से प्रोत्साहन योजना चालू नहीं है। तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा टोलिक की अर्धवार्षिक रिपोर्ट निर्धारित समय पर ही अपलोड की गई है। पत्तनंतिट्टा कारोबार क्षेत्र की गृहपत्रिका 'दर्पणम' का सातवाँ अंक ऑनलाइन में प्रकाशित किया गया।

**हिंदी कार्यशालाएँ-** 20.12.2022 – दिसंबर तिमाही पत्तनंतिट्टा, तारीख 30.03.2022- मार्च तिमाही, मं.इ.दूरसंचार कार्यालय अडूर, तारीख 23.06.2023- जून तिमाही – म.प्र.दू.कार्यालय, तिरुवल्ला, और 29.09.2023 -सितंबर तिमाही – म.प्र.दू.कार्या. तिरुवल्ला।



(विषय)

**हिंदी कार्यशाला-  
बीएसएनएल भवन  
तिरुवल्ला**

ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला, तिरुवल्ला उद्घाटन कर रहे हैं आदरणीय प्र.म.प्र.दू. श्री.साजु जोर्ज के आईटीएस की। चैट जीपीटी पर कक्ष चला रही है, श्री. अनिल एम एस, उमप्र(

**राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठकें-** तारीख 12.12.2022 दिसंबर तिमाही, 23.03.2023 मार्च तिमाही, 20.06.2023- जून तिमाही और तारीख 14.09.2022 - सितंबर तिमाही।

प्र.म.प्र.दू., कमरे में संपन्न हुई  
जून तिमाही की राभाकास बैठक-

**हिंदी पखवाड़ा समारोह 2023** का उद्घाटन दीप जलाकर कर रहे





हैं – श्री. साजु जोर्ज के, आईटीएस, प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार। पत्तनंतिट्टा बी ए में 14.09.2023 से हिंदी पखवाडा समारोह शुरू हो गई। 14.09.2022के पूर्वाह्न 11.00 बजे उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। श्रीमती. बेट्टी वर्गीस , कदूअ और श्रीमती. रिया वर्गीस , कलेअ के प्रार्थना गीत के साथ हिंदी पखवाडा का शुभारंभ हुआ। श्री. जिजो सी एब्रहाम, समप्र(प्रशा-विधिक) श्री साजु जोर्ज के, आईटीएस, प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार, पत्तनंतिट्टा ने दीप जलाकर हिंदी पखवाडा का उद्घाटन किया गया।

### **नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति तिरुवल्ला (टोलिक तिरुवल्ला)**

तिरुवल्ला नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक) के संयोजक वर्ष 2008 से हमारे बीएसएनएल कार्यालय और उसके अध्यक्ष महाप्रबंधक भी है। टोलिक के सभी कार्यों व बैठकों को प्रधान महाप्रबंधक के मार्गनिर्देशों के अनुसार सुचारु रूप से संपन्न हो रहा है। इस वित्तीय वर्ष की प्रथम अर्ध वार्षिक बैठक तारीख 25.04.2023 को प्रमप्रदू कार्यालय, बीएसएनएल भवन के सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुई। अध्यक्ष के रूप में आदरणीय साजु जोर्ज के, आईटीएस और मुख्यातिथि डॉ.पीना ईप्पन, प्रोफ. सेवानिवृत्त, सेन्ट थोमस कॉलेज, कोषन्चेरी मौजूद थे। संयुक्त हिंदी पखवाडा समारोह का पुरस्कार वितरण भी आयोजित किया गया। तिरुवल्ला नगराकास के विभिन्न केंद्र सरकारी कार्यालयों, बैंकों, उपक्रमों आदि सदस्य कार्यालयों के प्रमुख तथा प्रतिनिधि भागीदार रहे।

### **चित्र विवरण**

वित्तीय वर्ष 2023 की प्रथम बैठक का उद्घाटन कर रहे हैं श्री. साजु जोर्ज के , आईटीएस , सामने खड़े हैं मुख्यातिथि महोदया प्रोफ.डॉ.पीना ईप्पन (सवानिवृत्त), श्री.प्रशान्तकुमार , महाप्रबंधक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, श्री.सुधीर एस, प्रधानाध्यापक, जवहर नवोदया विद्यालया,





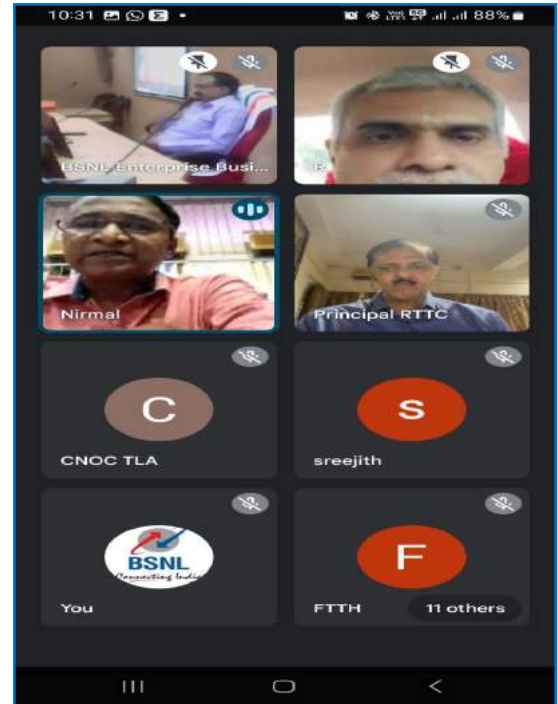
**तिरुवला की अप्रैल 2023 बैठक TOLIC TLA April 2023 Meeting**  
**बीएसएनएल भवन तिरुवला कार्य**



Programme-  
कार्यक्रम  
Workshop-  
कार्यशाला  
Joint –  
संयुक्त  
Town-  
शबर , नगर  
Official Language-



मु.म.प्र.दू. तिरु. श्री.बी.सुनिलकुमार का अडूर में संदर्शन, साथ बैठे हैं, प्रमप्रदू श्री,साजु जोज के आईटीएस, क्षत्री अनिल एम एस, उमप्र(विपणन), श्री, पी,के,जेयिन समप्र(अडूर) और स्टाफ।



एक परिमंडलीय गूगल मीट

## पत्तनंतिट्टा बीए की गृहपत्रिका दर्पणम की झलक PTA BA Darpanam



दर्पणम की झलक

'दर्पणम' ई-गृहपत्रिका सितंबर 2023 अंक 7 बीएसएनएल पत्तनंतिट्टा बीए 'Darpanam' - 7E-Housejournal Sept 2023 issue BSNL PTA BA,



## स्वतंत्रता दिवस 2023 की झलकियाँ



झंडा फहराते हैं, आदरणीय  
प्रमप्रदू का, श्री.साजु जोर्ज के आईटीएस



## सेवानिवृत्ति

मई 2023 की  
सेवानिवृत्ति बैठक से  
श्री. रवीन्द्रन नायर  
बीएसएनएल परिवार  
के साथ।

- साथ है; प्रमप्र श्री.साजु  
जोर्ज के, आईटीएस, श्री,  
विवेकानंदन पी.के.,



उमप्र(मुख्या), श्री. सुधीर टी एस, डीएफए, श्री.पी.के.जेयिन समप्र अडूर,, सुब्रह्मण्यम नियंत्रक अधिकारी आदि।  
श्री .स्टीफन के.पी. बीएसएनएल परिवार के साथ

जुलाई 2023 की सेवानिवृत्ति बैठक से







विपणन की झलकियाँ



## चैट जीपीटी Chat GPT

(collected through Chat GPT)  
- Shri.Anil M.S., DGM (Mktg)



चैट जीपीटी (Chat GPT) एक प्रगतिशील भाषा मॉडल है जो ओपनएआई द्वारा विकसित किया गया है। यह GPT-3.5 श्रेणी की वैश्विक मॉडल पर आधारित है, जो विस्तृत भाषा के बारे में समझने और उत्पन्न करने के लिए शिक्षा प्राप्त करने के लिए ट्रेन किया गया है। चैट जीपीटी में कई गुण हैं:

- भाषा समझने: चैट जीपीटी अद्यतन संज्ञानात्मक नेटवर्क का उपयोग करके वाक्य संरचना, वाक्यों का अर्थ और सामान्य भाषा को समझने की क्षमता विकसित करता है। यह इनपुट के प्रत्युत्तर को समझकर यथार्थता स्थापित करने का प्रयास करता है।
- समानार्थक शब्द प्रदान करना: जब आप एक शब्द या वाक्य प्रदान करते हैं, चैट जीपीटी आपको उसके साथ संबंधित समानार्थक शब्द प्रदान कर सकता है। यह विभिन्न वाक्यांशों और वाक्य संरचनाओं को प्रस्तुत करने के लिए भी उपयोगी हो सकता है।
- ज्ञान का उपयोग: चैट जीपीटी एक विस्तृत ज्ञान आधार के साथ ट्रेन किया गया है। यह विभिन्न विषयों पर सामान्य ज्ञान, इतिहास, विज्ञान, साहित्य, फिल्में, खेल, भूगोल, और अन्य क्षेत्रों में जानकारी प्रदान कर सकता है।
- संवादात्मक क्षमता: चैट जीपीटी वाक्य या प्रश्न के साथ संवाद करने की क्षमता रखता है। यह विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दे सकता है, सुझाव प्रदान कर सकता है और आपकी सामान्य बातचीत को समर्थित कर सकता है।
- समयबद्धता: चैट जीपीटी नवीनतम ज्ञान तक पहुंचता है, जिसे पिछले दिनों या हफ्तों में जारी घटनाओं और विकासों के साथ अपडेट किया जाता है। इसके बावजूद, कृपया ध्यान दें कि मेरी ज्ञान सीमा 2021 के बाद की है, और मैं 2021 के बाद के विषयों या घटनाओं के बारे में सीधे नहीं बता सकता। यह गुण चैट जीपीटी को एक उच्च-स्तरीय भाषा मॉडल बनाते हैं जो विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपयोगी हो सकता है, जैसे कि साहित्य, प्रश्नोत्तरी, अनुवाद, संवाद बॉट, और बहुचैट जीपीटी एक उच्च-स्तरीय प्राकृतिक भाषा संबद्धता मॉडल है, जिसे OpenAI ने विकसित किया है। इसे भाषा समझने, प्रश्नों के उत्तर देने और उपयोगकर्ताओं की सहायता करने के लिए बनाया गया है। हालांकि, कुछ खामियाँ भी इसमें हो सकती हैं, जो हैं:
- भाषा के प्राकृतिकता से संबंधित मुद्दे: चैट जीपीटी एक भाषा मॉडल होने के कारण, कभी-कभी यह वाक्यों का विनियमित या प्राकृतिक ढंग से समझने में कठिनाई हो सकती है। इसके कारण, कभी-कभी यह वाक्यों को सही ढंग से समझने और उत्तर देने में गड़बड़ी कर सकता है।
- ज्ञान की सीमाएं: चैट जीपीटी का ज्ञान अप्रत्याशित प्रश्नों या नवीनतम घटनाओं के साथ अद्यतित नहीं होता है, क्योंकि मेरी ज्ञान सीमा 2021 के बाद की है। इसका मतलब है कि किसी नवीन या विशिष्ट घटना के बारे में मुझे जानकारी नहीं हो सकती है।
- संदेश की संरचना: चैट जीपीटी एक एकक प्रश्न-उत्तर आधारित मॉडल है, इसका मतलब है कि यह एक प्रश्न के साथ संबद्ध संदेश को समझ सकता है और उसके अनुसार उत्तर दे सकता है। हालांकि, अगर आप एक लंबे संदेश में कई प्रश्न पूछते हैं, तो मॉडल के द्वारा दिए गए जवाब में असंगतियां आ सकती हैं।

चैट GPT का प्रभाव व्यापक है और इसकी बहुत सारी प्रभावशीलताएं हैं। यह भाषा मॉडल लेखकों, पत्रकारों, विज्ञानस्थानों, व्यापारों, और उपयोगकर्ताओं को सहायता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। यह अद्यतित ज्ञान पर आधारित जवाब देने के लिए तैयार किया गया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को विभिन्न विषयों पर सटीक और विवरणीय जानकारी प्राप्त होती है। चैट GPT ने ऑनलाइन चैटबॉट्स, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, और ग्राहक सहायता क्षेत्रों में भी एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह अद्यतन किए गए ज्ञान का उपयोग करके समस्याओं का समाधान करने में मदद करता है और उपयोगकर्ताओं को संतुष्टि प्रदान करता है। इसके अलावा, चैट GPT का उपयोग आधिकारिक और गैर-आधिकारिक जानकारी, समाचार, वेबसाइटों, ब्लॉगों, सामाजिक मीडिया और अन्य स्रोतों से जानकारी को सारगर्भित करने के लिए भी किया जा सकता है। यह उपयोगकर्ताओं को समय की बचत करता है और विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी को निकालने में सहायता प्रदान करता है।

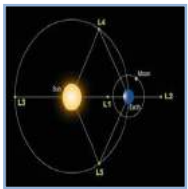
**Chat GPT :** This language model has been developed to help authors, journalists, academics, businesses, and users. It is designed to provide answers based on up-to-date knowledge, so that users get accurate and detailed information on various topics. Chat GPT has also made significant contributions in the areas of online chatbots, supply chain management, and customer support. It helps to solve problems by using updated knowledge and provides satisfaction to users. Also, Chat GPT uses official and unofficial information, news, websites, blogs, social media and other sources. Can also be used to summarize information. It saves users time and helps them extract information.

### बधाइयाँ

सुमप्रदू श्री.बी. सुनिलकुमार से पुरस्कार पा रहे हैं। साथ खड़े हैं श्री.साजु जोर्ज के, प्रमप्रदू पत्तनतिट्टा बी ए



**चन्द्रयानचंद्रयान-3** चंद्रयान-2 का अनुवर्ती मिशन है, जो चंद्र सतह पर सुरक्षित लैंडिंग और रोविंग की एंड-टू-एंड क्षमता प्रदर्शित करता है। इसमें लैंडर और रोवर विन्यास शामिल हैं। इसे एलवीएम3 द्वारा एसडीएससी शार, श्रीहरिकोटा से प्रमोचित किया जाएगा। प्रणोदन मॉड्यूल 100 किमी चंद्र कक्षा तक लैंडर और रोवर विन्यास को ले जाएगा। प्रणोदन मॉड्यूल में चंद्र कक्षा से पृथ्वी के वर्णक्रमीय और ध्रुवीय मीट्रिक मापों का अध्ययन करने के लिए स्पेक्ट्रो-पोलरिमेट्री ऑफ हैबिटेबल प्लेनेट अर्थ (एसएचएपीई) नीतभार है। **लैंडर नीतभार:** तापीय चालकता और तापमान को मापने के लिए चंद्र सतह तापभौतिकीय प्रयोग (चेस्ट); लैंडिंग साइट के आसपास भूकंपीयता को मापने के लिए चंद्र भूकंपीय गतिविधि (आईएलएसए) के लिए साधनभूत; प्लाज्मा घनत्व और इसकी विविधताओं का अनुमान लगाने के लिए लैंगमुइर जांच (एलपी)। नासा से एक निष्क्रिय लेजर रिट्रो-रिफ्लेक्टर ऐरे को चंद्र लेजर रेंजिंग अध्ययनों के लिए समायोजित किया गया है। **रोवर नीतभार:** लैंडिंग साइट के आसपास मौलिक संरचना प्राप्त करने के लिए अल्फा कण एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एपीएक्सएस) और लेजर प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप (एलआईबीएस)। चंद्रयान-3 में एक स्वदेशी लैंडर मॉड्यूल (एलएम), प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) और एक रोवर शामिल है, जिसका उद्देश्य अंतरग्रहीय मिशनों के लिए आवश्यक नई तकनीकों को विकसित और प्रदर्शित करना है। लैंडर के पास निर्दिष्ट चंद्र स्थल पर सॉफ्ट लैंड करने और रोवर को तैनात करने की क्षमता होगी जो इसकी गतिशीलता के दौरान चंद्र सतह के इन-सीटू रासायनिक विश्लेषण करेगा। लैंडर और रोवर के पास चंद्र सतह पर प्रयोग करने के लिए वैज्ञानिक नीतभार हैं। मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए लैंडर में कई उन्नत प्रौद्योगिकियां मौजूद हैं जैसे, अल्टीमीटर: लेजर और आरएफ आधारित अल्टीमीटर का पता लगाना और बचाव।





## आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और चुनौतियाँ

निबंध रचना में पुरस्कृत)  
-श्रीकला एस, कदूअ, तिरुवल्ला



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंप्यूटर मशीनों को ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाने का विज्ञान और इंजीनियरिंग है जिसके लिए सामान्य रूप से मानव बुद्धि की आवश्यकता होती है, जैसे दृश्य धारणा, भाषण पहचान और भाषाओं के बीच अनुवाद। एआई कंप्यूटर विज्ञान का वह क्षेत्र है जो ऐसी मशीनें बनाने पर केंद्रित है जो उन व्यवहारों पर काम कर सकती हैं जिन्हें मनुष्य बुद्धिमान मानते हैं। यह कंप्यूटर विज्ञान की वह शाखा है जिसका उद्देश्य बुद्धिमान मशीनें बनाना है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीनों, विशेषकर कंप्यूटर सिस्टम द्वारा मानव खुफिया प्रक्रियाओं का अनुकरण है। इन प्रक्रियाओं में सीखना (सूचना का अधिग्रहण और जानकारी का उपयोग करने के नियम), तर्क करना (अनुमानित या निश्चित निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए नियमों का उपयोग करना), और...अधिक सामग्री दिखाना... शामिल हैं। गेम खेलने में मशीन, स्पीच रिकग्निशन मशीन, लैंग्वेज डिटेक्शन मशीन, कंप्यूटर विज्ञान, एक्सपर्ट सिस्टम, रोबोटिक्स और कई अन्य मशीनें विकसित करने की गुंजाइश है।

- अगले 10 वर्षों में वाक् पहचान जैसे संकीर्ण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकियों में सुधार जारी रहेगा और मानव स्तर तक पहुंच जाएगी।
- एआई पाठ या आवाज का उपयोग करके असंरचित अंग्रेजी में मनुष्यों के साथ संवाद करने में सक्षम होगा, एक अप्रस्तुत वातावरण में नेविगेट (पूरी तरह से नहीं) करेगा और इसमें कुछ डोमेन-विशिष्ट बुद्धिमत्ता होगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से मशीनें सीखने, योजना बनाने, तर्क करने और समस्या सुलझाने जैसे कार्य करती हैं। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीनों द्वारा मानव बुद्धि का अनुकरण है। यह संभवतः प्रौद्योगिकी और नवाचार की दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला विकास है। इसके अलावा, कई विशेषज्ञों का मानना है कि एआई प्रमुख चुनौतियों और संकट स्थितियों को हल कर सकता है।

**आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चुनौतियाँ**-एक बड़ी चुनौती एक उचित प्रतीत होने वाली समस्या है जो रोमांचक होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है और वर्तमान में इसका समाधान नहीं हो पा रहा है। प्रत्येक कार्य के लिए महत्वपूर्ण स्तरों पर दीर्घकालिक, स्थिर वित्त पोषण की आवश्यकता होती है। सफलता की किसी भी तरह से गारंटी नहीं है, और प्रत्येक समस्या एक उच्च जोखिम, उच्च-भुगतान वाले निवेश का प्रतिनिधित्व करती है। हालाँकि, आंशिक सफलता भी उद्योग को प्रभावित कर सकती है और इसका बड़ा प्रभाव पड़ सकता है गूगल होम से लेकर सेल्फ-ड्राइविंग कारों तक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हर दिन तेजी से विकसित हो रही है। जबकि मीडिया में विज्ञान कथाओं ने अक्सर एआई को मानव जैसी विशेषताओं वाले रोबोट के रूप में चित्रित किया है, एआई Google के खोज एल्गोरिदम से लेकर आईबीएम के वॉटसन से लेकर स्वायत्त हथियारों (फ्यूचर ऑफ लाइफ इंस्टीट्यूट, 2018) तक कुछ भी शामिल कर सकता है। क्या एआई की दुनिया में यह निरंतर विकास मानवता के लिए फायदेमंद है, या यह मानव श्रम और समुदाय के विनाश का एक मार्ग है? इस निबंध का उद्देश्य एआई के मूल सिद्धांतों और मानव समाज के लिए इसके निहितार्थों का पता लगाना है। चूंकि दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों में अभूतपूर्व वृद्धि देख रही है, इसलिए इन्हें व्यापक रूप से अपनाने से जुड़े संभावित जोखिमों और चुनौतियों पर विचार करना



आवश्यक है। एआई कुछ महत्वपूर्ण खतरे प्रस्तुत करता है - नौकरी विस्थापन से लेकर सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी चिंताओं तक - और मुद्दों के बारे में जागरूकता को प्रोत्साहित करने से हमें एआई के कानूनी, नैतिक और सामाजिक निहितार्थों के बारे में बातचीत में शामिल होने में मदद मिलती है।

### आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और चुनौतियाँ

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंप्यूटर मशीनों को ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाने का विज्ञान और इंजीनियरिंग है जिसके लिए सामान्य रूप से मानव बुद्धि की आवश्यकता होती है, जैसे दृश्य धारणा, भाषण पहचान और भाषाओं के बीच अनुवाद। एआई कंप्यूटर विज्ञान का वह क्षेत्र है जो ऐसी मशीनें बनाने पर केंद्रित है जो उन व्यवहारों पर काम कर सकती हैं जिन्हें मनुष्य बुद्धिमान मानते हैं। यह कंप्यूटर विज्ञान की वह शाखा है जिसका उद्देश्य बुद्धिमान मशीनें बनाना है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीनों, विशेषकर कंप्यूटर सिस्टम द्वारा मानव खुफिया प्रक्रियाओं का अनुकरण है। इन प्रक्रियाओं में सीखना (सूचना का अधिग्रहण और जानकारी का उपयोग करने के नियम), तर्क करना (अनुमानित या निश्चित निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए नियमों का उपयोग करना), और... अधिक सामग्री दिखाना... शामिल हैं। गेम खेलने में मशीन, स्पीच रिकग्निशन मशीन, लैंग्वेज डिटेक्शन मशीन, कंप्यूटर विज्ञान, एक्सपर्ट सिस्टम, रोबोटिक्स और कई अन्य मशीनें विकसित करने की गुंजाइश है।\*\*\*\*

### अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस की झलकियाँ



श्री. विवाकानंदन पी उद्घाटन.टी., उमप्र (मुख्यालय) उद्घाटन कर रहे हैं, श्री. साजु जोर्ज के, आईटीएस अनुदेश दे रहे हैं, श्री. विवाकानंदन पी.टी., उमप्र (मुख्यालय)



16.09.2023 को संपन्न हुई उद्घाटन समारोह में दीप ज्वलित कर रहे हैं श्री. साजु जोर्ज के आईटीएस., प्रमप्रदू, पत्तनतिट्टा बीए



हिंदी  
पखवाड़ा  
समारोह  
2023







“ हिंद देश के निवासी सभी जन एक है...रंग रूप वेश भाषा चाहे अनेक है..बेला गुलाब जूही..चंबा चमेली.. ”



# कफन-सारांश

## प्रेमचंद की कहानी



इसका प्रारंभ इस प्रकार होता है- झोंपड़े के द्वार पर बाप और बेटा दोनों एक बुझे हुए अलाव के सामने चुपचाप बैठे हुए हैं और अंदर बेटे की जवान बीवी बुधिया प्रसव वेदना से पछाड़ खा रही थी। रह-रहकर उसके मुँह से ऐसी दिल हिला देने वाली आवाज़ निकलती थी कि दोनों कलेजा थाम लेते थे। जाड़ों की रात थी, प्रकृति सन्नाटे में डूबी हुई, सारा गाँव अंधकार में लय हो गया था। जब निसंग भाव से कहता है कि वह बचेगी नहीं तो माधव चिढ़कर उत्तर देता है कि मरना है तो जल्दी ही क्यों नहीं मर जाती-देखकर भी वह क्या कर लेगा। लगता है जैसे कहानी के प्रारंभ में ही बड़े सांकेतिक ढंग से प्रेमचंद इशारा कर रहे हैं और भाव का अंधकार में लय हो जाना मानो पूँजीवादी व्यवस्था का ही प्रगाढ़ होता हुआ अंधेरा है जो सारे मानवीय मूल्यों, सद्भाव और आत्मीयता को रौंदता हुआ निर्मम भाव से बढ़ता जा रहा है। इस औरत ने घर को एक व्यवस्था दी थी, पिसाई करके या घास छिलकर वह इन दोनों बगैरतों का दोजख भरती रही है। और आज ये दोनों इंतजार में है कि वह मर जाये, तो आराम से सोयें। आकाशवृत्ति पर जिंदा रहने वाले बाप-बेटे के लिए भुने हुए आलुओं की कीमत उस मरती हुई औरत से ज्यादा है। उनमें कोई भी इस डर से उसे देखने नहीं जाना चाहता कि उसके जाने पर दूसरा आदमी सारे आलू खा जायेगा। हलक और तालू जल जाने की चिंता किये बिना जिस तेजी से वे गर्म आलू खा रहे हैं उससे उनकी मारक गरीबी का अनुमान सहज ही हो जाता है। यह विसंगति कहानी की संपूर्ण संरचना के साथ विडंबनात्मक ढंग से जुड़ी हुई है। घीसू को बीस साल पहले हुई ठाकुर की बारात याद आती है-चटनी, राइता, तीन तरह के सूखे साग, एक रसेदार तरकारी, दही, चटनी, मिठाई। अब क्या बताऊँ कि उस भोज में क्या स्वाद मिला।...लोगों ने ऐसा खाया, किसी से पानी न पिया गया...। यह वर्णन अपने व्योरे में काफी आकर्षक ही नहीं बल्कि भोजन के प्रति पाठकीय संवेदना को धारदार बना देता है। इसके बाद प्रेमचंद लिखते हैं- और बुधिया अभी कराह रही थी। इस प्रकार ठाकुर की बारात का वर्णन अमानवीयता को ठोस बनाने में पूरी सहायता करता है। कफन एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था की कहानी है जो श्रम के प्रति आदमी में हतोत्साह पैदा करती है क्योंकि उस श्रम की कोई सार्थकता उसे नहीं दिखायी देती है। क्योंकि जिस समाज में रात-दिन मेहनत करने वालों की हालत उनकी हालत से बहुत-कुछ अच्छी नहीं थी और किसानों के मुकाबले में वे लोग, जो किसानों की दुर्बलताओं से लाभ उठाना जानते थे, कहीं ज्यादा संपन्न थे, वहाँ इस तरह की मनोवृत्ति का पैदा हो जाना कोई अचरज की बात न थी।... फिर भी उसे तक्सीन तो थी ही कि अगर वह फटेहाल है तो कम से कम उसे किसानों की-सी जी-तोड़ मेहनत तो नहीं करनी पड़ती। उसकी सरलता और निरीहता से दूसरे लोग बेज़ा फायदा तो नहीं उठाते। बीस साल तक यह व्यवस्था आदमी को भर पेट भोजन के बिना रखती है इसलिए आवश्यक नहीं कि अपने परिवार के ही एक सदस्य के मरने-जीने से ज्यादा चिंता उन्हें अपने पेट भरने की होती है। औरत के मर जाने पर कफन का चंदा हाथ में आने पर उनकी नियत बदलने लगती है, हल्के से कफन की बात पर दोनों एकमत हो जाते हैं कि लाश उठते-उठते रात हो जायेगी। रात को कफन कौन देखता है? कफन लाश के साथ जल ही तो जाता है। और फिर उस हल्के कफन को लिये बिना ही ये लोग उस कफन के चन्दे के पैसे को शराब, पूड़ियों, चटनी, अचार और कलेजियों पर खर्च कर देते हैं। अपने भोजन की तृप्ति से ही दोनों बुधिया की सद्गति की कल्पना कर लेते हैं-हमारी आत्मा प्रसन्न हो रही है तो क्या उसे सुख नहीं मिलेगा। जरूर से जरूर मिलेगा। भगवान



तुम अंतर्दामी हो। उसे बैकुण्ठ ले जाना। अपनी आत्मा की प्रसन्नता पहले जरूरी है, संसार और भगवान की अपनी उम्र के अनुरूप घीसू ज्यादा समझदार है। उसे मालूम है कि लोग कफन की व्यवस्था करेंगे-भले ही इस बार रूपया उनके हाथ में न आवे। नशे की हालत में माधव जब पत्नी के अथाह दुःख भोगने की सोचकर रोने लगता है तो घीसू उसे चुप कराता है-हमारे परंपरागत ज्ञान के सहारे कि मर कर वह मुक्त हो गयी है। और इस जंजाल से छूट गयी है। नशे में नाचते-गाते, उछलते-कूदते, सभी ओर से बेखबर और मदमस्त, वे वहीं गिर कर ढेर हो जाते हैं। 1880 1936 लमही, उत्तर प्रदेश

हिंदी कहानी के पितामह और उपन्यास-सम्राट के रूप में समादृत। हिंदी साहित्य में आदर्शोन्मुख-यथार्थवाद के प्रणेता

*"Kafan" is a short story by Munshi Premchand, a renowned Hindi-Urdu writer. The story is set in a rural village in India and revolves around the impoverished life of a poor family. The protagonist of the story is a man named Gheesu, who is married to a woman named Jhunia and has a father named Munga. The story highlights the harsh realities of poverty and the struggles of the lower class in Indian society. Gheesu and Jhunia have a young daughter who is ill and needs medical attention. They are unable to afford the treatment and are forced to watch helplessly as their daughter dies. In an attempt to provide a proper burial for their daughter, Gheesu and Munga decide to buy a new shroud for the dead body, which is known as a kafan. However, they are unable to afford the kafan and are forced to settle for a cheaper one made of old rags. As they carry their daughter's body to the graveyard, they are faced with various obstacles and challenges, including a swollen river and a group of drunkards who harass them. Their journey is further complicated by the fact that the kafan is torn and their daughter's body is exposed. Despite their efforts to cover the body, they are unable to do so and are forced to bury their daughter in a humiliating manner. The story "Kafan" highlights the stark realities of poverty and the struggles of the lower class in Indian society. It portrays the helplessness of the poor and their inability to afford basic necessities such as medical care and proper burials.*

स्रोत : गूगल

## Apprenticeship in BSNL



शिक्षक छात्रों को प्रशिक्षण दे रहे हैं- श्री. मनोज, कदुआ  
दे रहे हैं- श्री. मनोज, कदुआ

कंप्यूटर सिस्टम का सिद्धांत और विकास ऐसे कार्यों को करने में सक्षम है जिनके लिए सामान्य रूप से मानव बुद्धि की आवश्यकता होती है, जैसे दृश्य धारणा, भाषण पहचान, निर्णय लेने और भाषाओं के बीच अनुवाद। कंप्यूटर सिस्टम का सिद्धांत और विकास ऐसे कार्यों को करने में सक्षम है जिनके लिए सामान्य रूप से मानव बुद्धि की आवश्यकता होती



है, जैसे दृश्य धारणा, भाषण पहचान, निर्णय लेने और भाषाओं के बीच अनुवाद।

The theory and development of computer systems able to perform tasks that normally require human intelligence, such as visual perception, speech recognition, decision-making, and translation between languages.

Ameya Jayan /o jayan, AOS, CSC TLA



## विपणन के विभिन्न आयाम



## निर्मित बुद्धिमत्ता एवं चुनौतियाँ

(Artificial Intelligence and Challenges)

(निबंध प्रतियोगिता में पुरस्कृत लेख)- श्री. विष्णु वर्धन, कदूअ तिरुवल्ला

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक ऐसी तकनीक है, जिसमें एक कंप्यूटर अपने प्रोग्राम में दिए जा रहे निर्देशों को समझने के बाद उन्हें संरक्षित करता है और उनके आधार पर भविष्य की जरूरतों को समझते हुए निर्णय लेता है या फिर उसके अनुसार काम करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये अब मशीनों के बीच संवाद करना भी मुमकिन हो गया है। वास्तव में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने रोबोटिक्स की दुनिया को पूरी तरह से बदल कर दिया है। इस तकनीक की वजह से अब रोबोट में चीजों को सीखने की क्षमता आ गयी है। अब रोबोट कुछ काम करने का निर्णय खुद ही ले सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तहत स्पीच रिकग्निशन, विजुअल परसेप्शन, लैंग्वेज आइडेंटिफिकेशन और डिजीजन मेकिंग आदि का वर्णन किया जा सकता है। एआई की स्थापना जॉन मैकार्थी (John McCarthy) ने की थी, उनके दोस्तों मार्विन मिंस्की, हर्बर्ट साइमन, एलेन नेवेल ने मिलकर शुरूआती कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास और शोध कार्य किया था। 1983 में कुछ निजी संस्थानों ने मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर लागू होने वाली उन्नत तकनीकों का विकास करने के लिए एक संघ माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी की स्थापना की।

### आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रकार

वैज्ञानिकों ने समय के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अलग-अलग तरीकों और रूपों का विकास किया। वैसे तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बहुत से भागों में विभाजित किया गया है, लेकिन सामान्यतः इनके दो प्रमुख प्रकार हैं-

1. **कमजोर एआई:** इसे इस प्रकार से तैयार किया जाता है कि ये केवल एक टास्क ही करने में सक्षम होता है। एप्पल का सिरी (Siri) और गूगल का वॉयस सिस्टम इसके उदाहरण हैं।
2. **शक्तिशाली एआई:** इस प्रकार के सिस्टम में सामान्यीकृत मनुष्य की बुद्धिमत्ता होती है, जिससे कि समय आने पर कोई भी मुश्किल टास्क कर सके और उसका हल निकाल सके। इसे चार भागों में बाँटा गया है-
  - **प्रतिक्रियाशील मशीनें:** यह मशीनें सिर्फ दिए गए कामों को करने में ही सक्षम होती हैं तथा यह अन्य कार्य नहीं कर सकती हैं।
  - इसी तरह वैज्ञानिकों ने सीमित मेमोरी का विकास किया जो प्री प्रोग्राम नॉलेज और ऑब्जरवेशन करके अपना काम करती हैं।
  - इस तरह के मशीनों में जो निर्देश डाले जाते हैं उन्हीं के आधार पर यह फैसला लेती हैं।

### आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महत्त्व

- एआई में होने वाले विकास का बड़ा फायदा चिकित्सा क्षेत्र को मिल सकता है। ऑपरेशन जैसे कामों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस काफी कारगर साबित हो सकती है। इससे कम समय में ज्यादा लोगों का इलाज संभव हो सकता है। साथ ही ग्रामीण इलाकों में जहाँ कनेक्टिविटी की समस्या तथा स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में प्रशिक्षित कर्मियों की कमी है वहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से इलाज किया जा सकता है।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में कीटनाशकों तथा उर्वरकों के दुरुपयोग जैसी चुनौतियों का समाधान करने की भी क्षमता है।
- एआई का सबसे बड़ा फायदा विनिर्माण और उत्पादन से जुड़े क्षेत्रों को होने वाला है। दरअसल, एआई मशीन द्वारा गलतियों की गुंजाइश कम होती है। सबसे बड़ी खासियत यह है कि मशीनों को लंबे समय तक काम में लगाया जा सकता है।



- सुरक्षा दृष्टिकोण से भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महत्त्व बढ़ जाता है। वर्तमान में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में धोखाधड़ी का पता लगाने, वित्तीय लेन-देन में होने वाली अनियमितता, ट्रेडिंग पैटर्न पर निगरानी जैसे मामलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जा रहा है।
- खुदरा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग व्यक्तिगत सुझाव, इमेज आधारित उत्पाद की खोज करने आदि में किया जा सकता है।
- स्कूल और कॉलेजों में लेक्चर देने तक के काम एआई के जरिए किए जा सकते हैं।
- वित्तीय संस्थानों और बैंकिंग संस्थानों द्वारा डेटा को व्यवस्थित और प्रबंधित करने के लिए एआई का उपयोग किया जा रहा है। स्मार्टकार्ड सिस्टम में भी एआई का इस्तेमाल किया जाता है।
- समुद्र तल की गहराई में खनिज, पेट्रोल, और ईंधन की खोज का काम, गहरी खानों में खुदाई का काम बहुत कठिन और जटिल होता है।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संभावित उपयोग में, स्वचालित ड्राइवर ऑटोनोमस ट्रैकिंग और डिलीवरी तथा बेहतर यातायात प्रबंधन आते हैं।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल क्रिकेट, फुटबॉल, बेसबॉल, शतरंज जैसे खेलों की तस्वीरें लेने में प्रमुख रूप से किया जा रहा है।
- अंतरिक्ष से जुड़ी खोजों में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है।

### आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के खतरे और इसकी सीमाएँ

- इसमें कोई दो राय नहीं है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे रहने और कार्य करने के तरीकों में बड़ा परिवर्तन लाने जा रहा है। रोबोटिक्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी तकनीकों द्वारा अब उत्पादन और निर्माण के क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देने को मिलेगा। लेकिन इसके नकारात्मक प्रभाव से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बड़े पैमाने पर बेरोजगारी फैल सकती है। फैक्ट्री, कारखानों, बैंकों में इसका व्यापक इस्तेमाल करने से हजारों लोगों की नौकरी छिन सकती है।
- बहुत अधिक संभावना है कि इसके व्यापक इस्तेमाल से हम पूरी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ही आश्रित हो जायें और अपनी रचनात्मक शक्ति को कम कर बैठें।
- विशेषज्ञों का कहना है कि सोचने-समझने वाले रोबोट अगर किसी कारण या परिस्थिति में मनुष्य को अपना दुश्मन मानने लगें, तो मानवता के लिये खतरा पैदा हो सकता है।
- वॉइस रिकग्नाइजेशन वाली मशीनों में यूजर की प्राइवसी सार्वजनिक हो जाने का खतरा बना रहता है।
- बैंक, एटीएम, अस्पताल, फैक्ट्री किसी भी जगह एआई से एकीकृत मशीन लगाना बहुत महंगा पड़ता है। इसके खराब हो जाने पर इसको ठीक करना भी आसान नहीं होता है तथा इनका रखरखाव भी बहुत खर्चीला होता है।
- भावना या नैतिक मूल्य मशीनों में मौजूद नहीं होता है, वो सही और गलत काम में अंतर नहीं कर पाता है।
- विपरीत परिस्थितियाँ होने पर फ़ार्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से एकीकृत मशीनें फैसला नहीं ले सकती हैं।

### Drawbacks of Chat GPT

(Collected through Chat GPT)

While ChatGPT has numerous impressive capabilities, it also has some notable drawbacks:

1. **Lack of Common Sense:** ChatGPT lacks an inherent understanding of the world and may generate responses that seem plausible but are actually incorrect or nonsensical. It heavily relies on patterns and statistical associations in the training data, which can lead to inaccurate or misleading responses.



2. Sensitivity to Input Phrasing: The way a question or statement is phrased can significantly influence ChatGPT's response. Small changes in wording may yield different answers, which can be frustrating and inconsistent for users seeking reliable information.
3. Tendency to Generate Plausible-sounding But Inaccurate Information: ChatGPT may generate responses that sound reasonable but are factually incorrect. It can generate false or misleading information, potentially perpetuating misconceptions or misinformation.
4. Lack of Explainability: ChatGPT's decision-making process is not transparent or explainable. It cannot provide detailed justifications or reasoning for its responses, making it challenging to assess the reliability and accuracy of its answers.
5. Insensitivity to Context: ChatGPT may not fully understand the context or nuances of a conversation. It does not have a memory of previous interactions, so it may provide inconsistent or contradictory responses within the same conversation.
6. Inability to Ask Clarifying Questions: ChatGPT cannot ask for clarifications if the input is ambiguous or incomplete. It may make assumptions or provide irrelevant responses instead of seeking additional information.
7. Potential Bias and Offensive Content: If the training data contains biased or offensive content, ChatGPT can inadvertently generate responses that exhibit similar biases or offensive language. This poses ethical concerns and requires careful monitoring and filtering of its outputs.
8. Overreliance on Training Data: ChatGPT's responses are heavily influenced by the data it was trained on. If the training data is incomplete, biased, or unrepresentative, it can result in biased or incomplete answers. It is crucial to use ChatGPT with awareness of these limitations and exercise critical thinking when evaluating its responses.

\*\*\*

## Impact of Chat GPT

The impact of ChatGPT on human behavior, including the potential for laziness, is a complex and subjective topic. While it is true that interacting with AI systems like ChatGPT can provide quick and convenient answers to questions or perform tasks, the effects on motivation and productivity can vary from person to person. Some individuals might rely excessively on AI systems for information or assistance, leading to a decrease in their willingness to engage in independent thinking or problem-solving. This could potentially contribute to a sense of laziness or passivity in certain contexts. However, it's important to note that the influence of ChatGPT and similar technologies on human behavior is not solely negative. These systems can also empower individuals by providing access to knowledge, assisting with tasks, and sparking creativity. Ultimately, the impact of ChatGPT on motivation and productivity depends on the individual's mindset, goals, and how they choose to utilize the technology. It's essential for users to be mindful of their reliance on AI systems and actively balance their engagement with independent thinking and proactive decision-making.

बीएसएनएल दिवस समारोह के सिलसिले पत्तनंतिट्टा जिले के बालकों के लिए बीएसएनएल भवन तिरुवल्ला में विपणन अनुभाग द्वारा आयोजित पेइंटिंग प्रतियोगिता से



बीच में खड़े, श्री. साजु जॉर्ज के, आईटीएस के साथ बालक- साथ खड़े हैं, श्री. अनिल एसएस, उमप्र(विपणन), श्रीमती अनिला पी. के. (जसंअ-समप्र(सीएससी), श्री. लितिन कदूअ, श्रीमती अंजना, उमंड, श्रीलता, कदूअ, रश्मि, कदूअ, जोमोल, कहिअ



वितरण कर पुरस्कार रहे हैं श्री. अनिल एसएस, उमप्र(विपणन)

## वार्तालाप- (चैट जीपीटी द्वारा संग्रहीत)

व्यक्ति 1: नमस्ते! कैसे हो तुम?

व्यक्ति 2: मैं ठीक हूँ, धन्यवाद। तुम कैसे हो? व्यक्ति 1: मैं भी ठीक हूँ, शुक्रिया। तुम्हारे पास कोई नयी खबर है?

व्यक्ति 2: हाँ, मैंने सुना है कि नगर परिषद में चुनाव होने वाले हैं। क्या तुमने भी यह सुना है?

व्यक्ति 1: हाँ, मैंने भी वही सुना है। किस पार्टी को तुम वोट देने की सोच रहे हो?

व्यक्ति 2: मैं अभी तक निर्णय नहीं लिया हूँ। मुझे पहले पार्टियों के मुद्दों पर विचार करना होगा। तुम किस पार्टी को समर्थन देने की सोच रहे हो?

व्यक्ति 1: मैं भी वही सोच रहा हूँ। मुझे भी पहले विभिन्न पार्टियों के नीतियों का अध्ययन करना होगा।

व्यक्ति 2: हाँ, यह सही रास्ता है। हमें विभिन्न मुद्दों पर विचार करना चाहिए और सबसे अच्छा विकल्प चुनना चाहिए।

व्यक्ति 1: वैसे, तुम्हें कौनसा मुद्दा सबसे महत्वपूर्ण लगता है?

व्यक्ति 2: मेरे लिए शिक्षा और रोजगार के मुद्दे सबसे महत्वपूर्ण हैं। यह समाज के विकास के लिए आवश्यक है। तुम्हारी राय क्या है?

व्यक्ति 1: मुझे भी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के मुद्दे महत्वपूर्ण लगते हैं। हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी लोगों को उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें।

## विपणन पुरस्कार वितरण से





## आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इसकी चुनौतियाँ

(निबंध प्रतियोगिता में पुरस्कृत लेख)-

श्री. जिजो सी अब्राहम , समप्र (प्रशा -विधिक)



कंप्यूटर विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक अपेक्षाकृत नई शाखा है। विज्ञान या कला की किसी भी नई शाखा के लिए कुछ दशकों की बात आज भी बचपन ही मानी जाती है। सभी नए उद्यमों को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और यहां भी यह अलग नहीं है।

विज्ञान की इस शाखा की चर्चा आज भी शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के बीच ही होती है। आम जनता को इसके बारे में बहुत कम जानकारी है। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर लोगों के बीच गलत धारणा हो सकती है। यह एक बड़ी चुनौती है। आशा है कि वर्तमान संचार प्रौद्योगिकियों के आगमन से आम जनता में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में अधिक यथार्थवादी जागरूकता पैदा करने में मदद मिलेगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में एक और महत्वपूर्ण चुनौती इस उपकरण का उपयोग करके प्राप्त आउटपुट की विश्वसनीयता की कमी है। वर्तमान में हमारे पास डेटा आउटपुट पर भरोसा करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचा है। हमें पारंपरिक कंप्यूटिंग विधियों का उपयोग करके या अपने मानव प्राकृतिक कौशल पर भरोसा करके परिणाम की शुद्धता को सत्यापित करना होगा। लेकिन जब बड़ी मात्रा में डेटा निपटाया जाता है तो इसमें बहुत समय लगता है। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में इस चुनौती में सुधार देखने को मिल सकता है।

एक और सबसे अधिक अपेक्षित चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके सोचने वाली मशीनों का आविष्कार है। कई कहानियों में सोच मशीनों द्वारा इंसानों को मारने के डर का उल्लेख किया गया है। लेकिन ये अतिरंजित आशंकाएं ही लगती हैं।

सभी चुनौतियाँ बेहतर विकल्पों का मार्ग प्रशस्त करती हैं। संकल्प और दृढ़ता ने मानव इतिहास की सभी चुनौतियों को बेहतर विकल्पों में बदल दिया। आइए आशा करें, मानव जाति के संकल्प की शक्ति से, हम इन चुनौतियों पर काबू पा लेंगे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को इस दुनिया में संपूर्ण मानव जाति के लिए एक सहायक उपकरण बना देंगे।

\*\*\*\*\*

**आदित्य मिशन** Aditya L1 shall be the first space based Indian mission to study the Sun. The spacecraft shall be placed in a halo orbit around the Lagrange point 1 (L1) of the Sun-Earth system, which is about 1.5 million km from the Earth. Aditya-L1 was launched aboard the PSLV C57 at 11:50 IST on 2 September 2023, ten days after the successful landing of ISRO's Moon mission, Chandrayaan-3.

## Desk Chronicles

Michael Issac  
JAO, , O/o GMT, TLA



### Desk Chronicles: The Adventures of Office Oddities"

In the mysterious realm of the modern office, where the mundane meets the absurd, there exists a curious cast of characters—the Desk Chronicles. These peculiar items have developed a life of their own, defying logic and reason to embark on adventures of hide-and-seek, vanishing acts, and grand escapades right on your desk. Join us on an expedition through the comical chaos that is every cubicle, as we uncover the misadventures of these notorious office oddities. From the Elusive Stapler's stealthy escapades to the enigmatic migratory patterns of the USB Drive, get ready to laugh, relate, and perhaps even sympathize with these inanimate yet strangely animated desk dwellers.

#### 1. The Elusive Stapler: Master of Disguise

Ah, the Elusive Stapler, a classic prankster that loves to play hide-and-seek with its owner. One day, it's nestled among the notepads, the next, it's taken refuge beneath a stack of expense reports. You can almost hear it chuckling as you search in vain.

#### 2. The Vanishing Pen: Borrowed, But Never Returned

Meet the Vanishing Pen, the social butterfly of the office supply world. It mingles with colleagues but seldom finds its way back home. Don't be surprised if it's been to more meetings than you have.

#### 3. The Mystery Memo: Tales of a Tattered Note

The Mystery Memo is the forgotten hero of office artifacts. It's seen better days, surviving crumpling, coffee spills, and the occasional tear. Yet, it continues to cling to life, a testament to the resilience of office notes everywhere.

#### 4. The All-Purpose Paperclip: The Great Explorer

The All-Purpose Paperclip is a true adventurer, often found in the oddest places—a coffee mug, a potted plant, or even your favorite mug. Its motto? "I'm not lost; I'm exploring."

#### 5. The Nomadic Notepad: Here, There, Anywhere

The Nomadic Notepad has a mind of its own, never where you need it but always where you aren't looking. You'll discover it under your chair, on a colleague's desk, or even in the restroom.

#### 6. The Phantom Highlighter: A Game of Cat and Mouse

The Phantom Highlighter is the ultimate tease. It's always nearby, but just when you reach for it, it vanishes into thin air. Office legend has it that it loves to glow in the dark.

#### 7. The Evading Eraser: Mistakes? What Mistakes?

The Evading Eraser is a silent witness to the lack of errors in your work. It sits on your desk, untouched, a testament to your perfection. After all, who needs to erase mistakes you never make?

#### 8. The Secretive Sticky Notes: Silent Sabotage

The Secretive Sticky Notes have a knack for disappearing right when you need to jot down that crucial idea or reminder. They're masters of timing, vanishing act experts, and the true keepers of office secrets.

#### 9. The Enigmatic USB Drive: Bermuda Triangle Explorer

And finally, the Enigmatic USB Drive, which mysteriously migrates to the Bermuda Triangle of your desk. Just when you need it most, it's nowhere to be found. The question remains: Is it lost, or is it off on its own adventure?

As you navigate your own desk's ecosystem, remember that you're not alone in your battle against these office oddities. Embrace the quirks, share a laugh with your colleagues, and remember that even in the most ordinary places, hilarity and surprises abound. The Desk Chronicles continue, and each day brings a new chapter in the adventures of office artifacts.\*\*\*

**बधाइयाँ CONGRATULATIONS हिंदी पखवाड़ा के सिलसिले आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं की विजेता/ भागीदारियों की सूची** **Winners and participants of various competitions held in connection with the Hindi Fortnight 2023**

**1. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता Quiz Competition**

- श्री. लिट्टो के तोमस, समप्र(प्र.यो) Shri. Litto K Thomas, AGM (OP)  
श्री. विष्णु वर्धन, कदूअ Shri. Vishnu Vardhan, JTO } .....I  
श्री. वेणु ए. वी. Shri. Venu A.V. ,DE Ranni - .....II  
श्री. मैक्रेल आइसेक, क ले अ Shri. Michael Issac, JAO - .....III

**2. हिंदी गीत प्रतियोगिता Hindi Song Competition-Female**

- श्रीमती. बेट्टी वर्गीस, क.दू.अ Smt. Betty Varghese, JTO-.....I  
श्रीमती. रिनु आन्स जोस, एसओएस Smt. Rinu Ans Jose, KOZ – SOA.....II  
Male-श्री. चरण जीत सिंह, कदूअ (प्रशि.) Shri. Charan Jeeth Singh, JTO -..... 1

**3. श्रुतलेख-प्रशा. शब्दावली-टिप्पण-अनुवाद Dictation-Admn Terminology-Noting-Translation**

- श्री. दीपू जयकुमार, क दू अ Shri. Deepu Jayakumar, JTO }  
श्री. विवेक सूर्या, कदूअ (प्रशि.) Shri. Vivek Surya – JTO (trainee) } .....I  
श्री. यदू नंदन, क दू अ Shri. Yadu Nandan, JTO }  
श्रीमती. श्रीकला एस, क दू अ Smt. Sreekala S - , JTO }  
Shri. Michael issac - JAO } .....II  
श्री. राकेश कुमार जेयिन, कदूअ (प्रशि.) Shri. Rakesh kumar Jain , JTO (trainee )  
श्री. लिट्टो के तोमस, समप्र(प्र.यो) Shri. Litto K Thomas, AGM (OP)  
श्री. विष्णु वर्धन, कदूअ Shri. Vishnu Vardhan, JTO .....III

**4. सुलेखन प्रतियोगिता Handwriting Competition ( Group C )**

- श्रीमती. जेसी जोस, स.का.अ Smt. Jessy Jose, AOS  
श्रीमती. प्रिया मनीष, क.इ. Smt. Priya Maneesh, JE .....I  
श्रीमती. पेल्ली बेबी, दू.त. Smt. Sherly Baby, TT .....II  
श्रीमती. बीना जोण, एओएस Smt. Beena John, AOS .....III

**5. निबंध प्रतियोगिता Essay Writing Competition**

- श्रीमती. श्रीकला एस, क दू अ Smt. Sreekala S, JTO .....I  
श्री. विष्णु वर्धन, कदूअ Shri. Vishnu vardhan, JTO .....II  
श्री. जिजो सी एब्रहाम, समप्र(प्रशा.&विधिक) Shri. Jijo C. Abraham AGM (Admn & Legal) ..III

**6. निबंध रचना Essay Cometition for wards –**

- कु. ज्युवेल मरिया साबू, श्रीमती अनिला पी.के.की सुपुत्री Kum. Jewel Maria Sabu, D/o Smt. Anila P.K., AGM

**7. ई-फाइलों में द्विभाषी टिप्पण- आलेखों का प्रयोग Bilingual noting/drafting in E- Files (officers )**

- श्री. जिजो सी एब्रहाम, समप्र(प्रशा.&विधिक) Shri. Jijo C Abraham, AGM (Admn & Legal) ...I  
श्रीमती. श्रीकला एस, क दू अ Smt. Sreekala S. , JTO .....II

**8. स्मृति परीक्षा Memory Test**

- श्री. अभिषेक त्रिपाठी, कदूअ (प्रशि.) Shri. Abhishek Tripathi, JTO (trainee) .....I



श्री. विवेक सूर्या, कदूअ (प्रशि.) Shri. Vivek Surya JTO (trainee)&  
श्री. चरण जीत सिंह, कदूअ (प्रशि.) Charan Jeeth Singh, JTO (trainee).....II  
श्री. राकेश कुमार जेयिन, कदूअ (प्रशि.) Shri. Rakesh Kumar Jain, JTO (trainee) .....III  
श्री. रोबिन कुरियन जोसफ, उमप्र (एनडब्ल्यू) Shri. Robin Kurien Joseph, DGM(NW).....I  
श्रीमती. श्रीकला एस, कदूअ Smt. Sreekala S., JTO.....I  
श्री. लिट्टो के तोमस, समप्र(प्र.यो) Shri. Litto K Thomas, AGM (OP).....I

### बधाइयाँ CONGRATULATIONS

### विशेष पुरस्कृत Special Prize List

1. श्रीमती. विद्या वी. एन, कदूअ Smt. Vidya V.N., JTO
2. श्री. श्रीजित, कदूअ Shri. Sreejith, JTO
3. श्रीमती जीवा बालकृष्णन, कदूअ Smt. Jeeva Balakrishnan, JTO
4. श्री. अनु आर डी, कलेअ Shri. Anu R.D., JAO
5. श्रीमती जासमिन बेबी, कदूअ Smt. Jasmine Baby K., JTO PTA
6. श्री मनोज पी. के., समप्र Shri. Manoj P.K., AGM(C&G)
7. श्री अब्राहम कुरुविला Shri. Abraham Kuruvilla, AOS
8. श्रीमती. एलसी मोहन, दूत Smt. Elsy Mohan, TT CSC TLA
9. श्रीमती. अंजना आर आर, कदूअ Smt. Anjana R R, JTO

## Tour Report: Rajasthan

(Collected through Chat GPT) Introduction: Rajasthan, also known as the "Land of Kings," is a vibrant and culturally rich state in India. Known for its majestic forts, palaces, and desert landscapes, Rajasthan offers a unique blend of history, art, and traditions. During my visit to Rajasthan, I explored some of its popular cities, including Jaipur, Udaipur, Jodhpur, and Jaisalmer. Here is a tour report of my experience: Day 1: Arrival in Jaipur I arrived in Jaipur, the capital city of Rajasthan, and checked into a hotel. In the afternoon, I visited the magnificent Amber Fort, located on a hilltop. The intricate architecture, stunning views, and historical significance of the fort left me awe-inspired. Later, I explored the bustling local markets of Jaipur. Day 2: Sightseeing in Jaipur I dedicated the second day to explore the attractions of Jaipur. I visited the City Palace, a remarkable blend of Rajasthani and Mughal architecture. The palace complex houses museums, courtyards, and beautiful gardens. Next, I visited the Hawa Mahal, or the Palace of Winds, known for its unique facade with numerous small windows. In the evening, I strolled through the vibrant bazaars of Jaipur and savored the local cuisine. Day 3: Udaipur - The City of Lakes I traveled to Udaipur, often referred to as the "Venice of the East" due to its picturesque lakes and palaces. I visited the majestic City Palace, situated on the banks of Lake Pichola. The palace offered breathtaking views of the city and the lake. Later, I took a boat ride on Lake Pichola and admired the stunning views of the Lake Palace and Jag Mandir, situated on their respective islands. Day 4: Exploring Udaipur I spent the fourth day exploring more of Udaipur. I visited the famous Jagdish Temple, dedicated to Lord Vishnu, known for its intricately carved pillars and sculptures. Next, I visited Sa-

heliyon ki Bari, a beautiful garden adorned with fountains, kiosks, marble elephants, and a delightful lotus pool. In the evening, I enjoyed a cultural dance performance at Bagore Ki Haveli, showcasing Rajasthan's traditional music and dance forms. Day 5: Jodhpur - The Blue City I traveled to Jodhpur, known as the "Blue City" due to the blue-painted houses in its old town. I explored the majestic Mehrangarh Fort, perched on a hill and offering panoramic views of the city. Inside the fort, I visited various palaces and museums, which showcased artifacts, weapons, and artworks from Rajasthan's rich history. I also visited the vibrant Sardar Market, famous for its textiles, handicrafts, and spices. Day 6: Jaisalmer - The Golden City My next destination was Jaisalmer, known as the "Golden City" due to its golden sandstone architecture. I visited the magnificent Jaisalmer Fort, a UNESCO World Heritage Site, and explored its narrow lanes, palaces, and Jain temples. I also enjoyed a camel ride in the Sam Sand Dunes, witnessing a beautiful sunset over the desert. Day 7: Return to Jaipur On the final day, I returned to Jaipur to catch my flight back home. Before leaving, I visited the famous Albert Hall Museum, which houses a vast collection of artifacts and artworks. I also visited the serene Birla Mandir, a beautiful white marble temple dedicated to Lord Vishnu and Goddess Lakshmi. Conclusion: My tour of Rajasthan was a truly enchanting experience. The state's rich history, architectural marvels, vibrant culture, and warm hospitality left an indelible mark on me. From the palaces of Jaipur to the lakes of Udaipur and the forts of Jodhpur and Jaisalmer, Rajasthan offered a diverse range of experiences that made this journey unforgettable. \*\*\*\*

## सेवा निवृत्ति बैठक की कुछ झलकियाँ



## प्रौद्योगिकी के लाभ और हानि

Jewel Maria sabu  
D/o Smt. Anila P.K., AGM (CSC)



हम प्रौद्योगिकी के बिना अपनी दुनिया की कल्पना नहीं कर सकते। आज यह उन आवश्यक चीजों में से एक है जिसकी दुनिया को ज़रूरत है। प्रौद्योगिकी का तात्पर्य किसी उद्देश्य के लिए वैज्ञानिक ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग से है। इन वस्तुओं और सेवाओं की उपयोगिता को बढ़ाता है और मूल्य बनाने में मदद करता है। यह किसी भी काम को आसान बनाने में मदद करता है और कई तरीकों से हमारी मदद करता है। प्रौद्योगिकी के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव हैं। कई लोग इसका उपयोग अपने विकास के लिए करते हैं, और कुछ इसका उपयोग समाज और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँचाने के लिए करते हैं।

### प्रौद्योगिकी के लाभ

उत्पादन बढ़ाएँ- प्रौद्योगिकी उत्पादन को कई गुना बढ़ाने में मदद करती है। मानवीय प्रयास एवं कार्य करने की ऊर्जा सीमित है। लेकिन मशीनरी के साथ, उत्पादन को कई गुना बढ़ाया जा सकता है क्योंकि मशीनों में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता होती है। मशीन द्वारा किया गया कार्य अधिकसटीक एवं परफेक्शन के साथ होता है। सभी उत्पाद एक जैसे हैं, जो मानवीय प्रयासों के मामले में संभव नहीं है। प्रौद्योगिकी ने लोगों को कई बार मुनाफा कमाने में मदद की है।

समय बचाता है- आज, समय ही पैसा है। इस प्राकर, प्रौद्योगिकी बहुत समय बचाने में मदद करती है और दक्षता और उत्पादकता बढ़ाती है। हम बड़े – बड़े काम कम समय में पूरा कर सकते हैं। आज सब कुछ स्वचालित हो गया है और यह तकनीक उन

कामों को करने में काफी समय बचाने में मदद करती है जो इंसानों के लिए संभव नहीं हैं।

प्रौद्योगिकी सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद करती है- यदि आप एक टेलीविज़न खरीदते हैं, और यह कुछ दिनों के बाद बंद हो जाता है। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि टीवी वारंटी अवधि में है। आप बस कंपनी उसके ग्राहक सेवा को कॉल कर सकते हैं और अपना टीवी ठीक करवा सकते हैं। इस प्रकार, एक साधारण फोन कॉल या मेल से चीज़ें बहुत आसान हो गई हैं।

आसान और त्वरित संचार- प्रौद्योगिकी ने संचार को केवल एव बटन दूर बना दिया है। एक बटन पर क्लिक करके, आप कॉल कर सकते हैं, ईमेल भेज सकते हैं, फ़ैस्क कर सकते हैं, चीज़ें ऑनलाइन ऑर्डर कर सकते हैं और तकनीक की मदद से बहुत सारे काम कर सकते हैं। प्रौद्योगिकी ने हमें संचार के बेहतर माध्यम देने में मदद की है। यदि आप अपने प्रियजनों को याग कर रहे हैं तो अब आपको उन्हें पत्र लिखने की आवश्यकता नहीं है। वीडियो कॉल करें और उन्हें अपने करीब महसूस करें।

ऑनलाइन अपराध एवं साइबर को कम करता है।

सुरक्षा बड़ी है- तकनीक ने लोगों की सुरक्षा बढ़ा दी है। टेक्नोलॉजी की मदद से ऐसे सीसीटीवी कैमरे बनाए गए हैं जो दूकान और घर में आपके कीमती सामान को सुरक्षित रखते हैं। सबकुछ ऑनलाइन अपराध एवं साइबर को कम करता है।



## प्रौद्योगिकी के नुकसान

**बेरोजगारी-** प्रौद्योगिकी की प्रगति के साथ प्रौद्योगिकी ने काफी हद तक बेरोजगारी ला दी है। लोग हर काम के लिए और अपने अस्तित्व के लिए भी कंप्यूटर पर निर्भर होते जा रहे हैं। इससे बेरोजगारी और भी बढ़ गई है क्योंकि एक ही कंप्यूटर इतने सारे लोगों का काम करने में सक्षम है वह भई बहुत कम समय में।

**डेटा सुरक्षा-** आज हमारा डेटा आपके पास बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है क्योंकि ऐसे लोग हैं जो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल जानते हैं और हैकर बन गए हैं। नवीनतम तकनीक का उपयोग करके, वे घर बैठे ही आपके कंप्यूटर, बैंक खाते, कार्यालय डेटा और बहुत कुछ हैक कर सकते हैं। ओटीपी और अन्यविवरण ऑनलाइन साझा करना जोखिम भरा हो गया है क्योंकि इसमें धोखाधड़ी का खतरा अधिक है। किसी एक जानकारी को ऑनलाइन साझा करने का स्पष्ट अर्थ है कि डेटा के अपराधियों, हैकरों, आतंकवादियों और विदेशी दुश्मनों के हाथों तक पहुँचाने की बहुत अधिक संभावना है।

लोग आसानी से विचलित हो जाते हैं- लोग किसी उपयोगी चीज़ की बजाय विभिन्न गैजेट्स का उपयोग करके आ.नी से विचलित हो जाते हैं। सोशल मीडिया ने युवाओं, वयस्कों और बच्चों को व्यस्त रखा है और इस प्रकार वे अपने दैनिक कार्यों से विचलित हो जाते हैं। बच्चों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई होती है क्योंकि उनमें से अधिकांश के पास आज लैपटॉप या स्मार्टफोन है।

**स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ-** आज लोग प्रौद्योगिकी के प्रति इतने अधिक मोहग्रस्त हैं कि वे अपने स्वास्थ्य की परवाह करना ही भूल जाते हैं। इससे उनकी सेहत पर अलग-अलग तरह से असर पड़ता है। उन्हें आंखों की दृष्टि संबंधी समस्याएँ मोटापा, अनिद्रा और भी बहुत कुछ है। कुछ लोगों को फोन इस्तेमाल किए बिना नींद नहीं आती। और किसी को ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते।

\*\*\*\*\*



Navneet  
Class VII,  
St mary's Public  
school Thiruvalla  
S/o Jeeva  
Balakrishnan,  
JTO



## സ്പോക്കസ്മാൻ

Stephen K  
Retail Manager(Rtd), BSNL

മക്കൾ രണ്ടാകിലുമറിഞ്ഞിടുക  
ഇനിയുമുണ്ട് മൂവരെന്ന സത്യം  
മക്കളായ് കരുതിയൊപ്പം ചേർക്കാനും  
കൂടെ കുടിയേർപ്പെട്ടൊപ്പം സ്വയം..  
കിട്ടിടം ശബളത്തികവാനും നോക്കാതെ  
മേഞ്ഞു പുലർന്നതീശ്വര കൃപതന്നെ  
തന്നൊപ്പം കൂടിയ മക്കളേയും പിന്നെ  
തന്നൊപ്പമുള്ളോരും കണ്ടതൊന്നായ്

പങ്കുവെച്ചു പുലരവേയൊട്ടുമേ  
കാണായ്ക്കൊന്നും നടിച്ച് തിരിച്ചു  
ഇല്ലായ്മയൊന്നും ചിന്തിച്ചതില്ല  
അന്യരായൊട്ടു കരുതിയതുമില്ല  
അറിവിനക്ഷരക്കനികളേകി  
ഉള്ളവരായിത്തന്നെ കഴിഞ്ഞുകൂടി  
വേദനയോടെ കയറിവന്നവരന്  
വീട്ടിലെ സന്താപച്ചുവടുവിട്ട്  
ജീവിതത്തെല്ലാതേടിയെന്നരികിലി-  
വൃക്ഷച്ചുവട്ടിലെത്തിയോരോരുത്തർ  
അന്യഗൃഹത്തിൽ പുലർന്നവരാകിലും  
സവീകരിച്ചു മൂവരും കാത്തുനടത്തി..

വളർന്നു വലുതായി വിദ്യാകടാക്ഷ---  
മോടെയിന്നവരോരോ തൊഴിലുതേടി  
ആനന്ദവായ്പോടൊരു തിരിഞ്ഞു നോട്ടം  
സന്തോഷാശ്രുക്കളടരുന്നിതാ മെല്ലെ  
തങ്ങളെ കൊച്ചുവീടൊരുക്കിയന്ന്  
സ്നേഹത്തണലിലവർക്കു പൂങ്കാവനം

\*\*\*\*\*

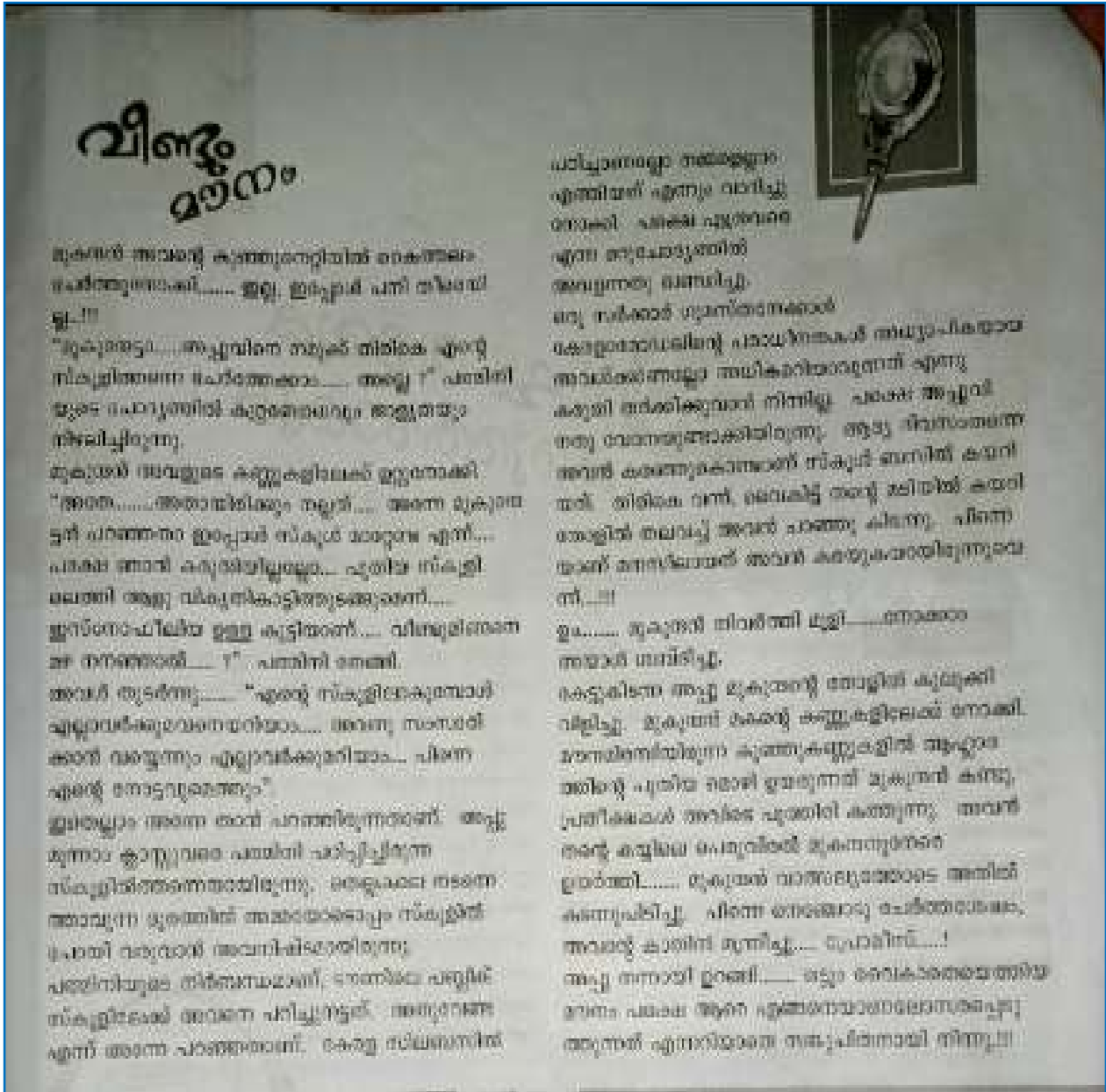




republishing : story of Shri Venu, AGM (Ranni)







भारतीय संविधान अनुच्छेद 351-संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिंदी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करें जिससे वह भारत की सामासिक संसक्ति के सऊ तत्वों की अभिव्.क्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति से हस्तक्षेप किए बिना हिंदुस्थानी में और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आतमसात करते हुए और जहाँ आवश्यक या लौछनीय हो वहाँ उसके शब्द –भंडार के लिए मुख्यतः संस्कृत से और गौणतः अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करें।

## ONAM 2023





## Panchalimedu

Panchalimedu is a hill station and view point near Kuttikkanam in Peerumedu tehsil of Idukki district in the Indian state of Kerala. On the Makar Sankranti day, many Ayyappa devotees camps there to witness the sacred Makaravilakku (holy flame) that appears in the Ponnambalamedu near Sabarimala temple. Predominantly it is a high altitude region situated at a height of 2,500 ft (760 m) above the mean sea level. The place is surrounded by deep valleys and hills, accompanied by meadows, grasslands and cool refreshing climate. From there, the Koruthodu valley near Mundakkayam with widespread rubber plantations can be seen. Parunthumpara hills and Periyar tiger reserve lies to the east of Panchalimedu. Many tourists arrives there during the summer season for trekking and to get refreshed. When monsoon arrives, the place will be covered by charming mist and thick fog. Although, a pleasant climate is experienced here throughout the year. .

TLA- club  
news; club  
Secretary  
Shri.  
Abraham  
Kuruvilla

